
हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास-ग

‘हिंदी-ग’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता-संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई-1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विशेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विशेषताएँ

इकाई-2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

ॐ गुरु गोविन्द दोन खड़े

— निन्दक नियरे राखिए

— कबीर संगति साधु की

— माला फेरत जुग भया

— पाहन पूजै हरि मिले

— वृच्छ कबहूँ न फल भखें

सूरदास

— मैया मैं नहिं माखन खायो

— उधो मन न भए दस-बीस

इकाई-3

बिहारी

- मेरी भव बाधा हरीं
- कनक कनक ते सौं गुनी ..
- .. थोड़े ही गुन रीझते
- .. कहत नटत रीझत खिझत

घनानंद

- अति सूधो सनेह को मारग
- रावरे रूप की रीति अनूप

इकाई-4

- माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा
- धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट